बारहवाँ दिन

प्र.1) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।

अ) युद्ध का बारहवाँ दिन था।

आ) अर्जुन के पहुँचते ही पांडवों की सेना में नया उत्साह हो गया।

इ) भगदत्त ने एक तोमर अर्जुन पर चलाया।

ई) इससे अर्जुन को बड़ा क्रोध आया।

उ) उसे कुछ भी सुझना बंद हो गया।

ऊ) अर्जुन द्वारा छोड़े गए बाणों से भगदत्त का धनुष घुट गया।

ए) असंख्य वीर खेत रहे।

ऐ) खून की नदियाँ-सी बहने लगी।

प्र.2) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखें।

अ) आचार्य द्रोण ने युधिष्ठिर को पकड़ा — गलत

आ) भीमसेन मारा गया। — गलत

इ) कौरवों की सेना तितर-बितर हो गयी। — सही

ई) वृषक और अचक अर्जुन के बाणों से घायल हो गए। — सही

उ) तोमर युधिष्ठिर के मुकुट पर गिर गया। — गलत

ऊ) शकुनि को क्रोध आ-गया। — सही

ए) द्रोणाचार्य ने लड़ाई शुरु कर दी। — सही

प्र.3) दिए गए शब्दोंका वाक्य में प्रयोग करें।

अ) विफल - दुर्योधन के सारे प्रयास विफल हो गए।

आ) अचानक - अपघात का दृश्य बहोत भयानक था।

इ) विचलित - अर्जुन ने अचानक किए हमले से सारे योद्धा विचलित हो गए।

ई) वर्षा - इस साल भारी वर्षा हो रही है।

उ) क्रोध - परिक्षा में कम अंक आए इसलिए पिताजी के क्रोध की सीमा

न रही।

ए) डेरा - दुश्मनों का डेरा बहुत बड़ा था।

बे) गांडीव - अर्जुन ने युद्ध के लिए अपना गांडीव तान लिया।

भो) अंधेरा - भीम के प्रहार से आँखो के सामने अंधेरा छा गया।

प्र. ब) दिए गए शब्दोंके अर्थ लिखें।

अ) ललकारना - चुनौती देना।
आ) हमला - चढ़ाई
इ) आहत - जख्मी
ई) परेशान - हैरान
उ) घायल - चोट खाया हुवा।
ऊ) समाप्त - जिसका अंत हो।